जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

15 फरवरी 2024

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया में 'क्या सोशल मीडिया- 'सोशल' है' विषय पर तीसरे बिक्रम नंदा मेमोरियल व्याख्यान का आयोजन

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के समाजशास्त्र विभाग ने 14 फरवरी, 2024 को यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक ऑडिटोरियम में तीसरे बिक्रम नंदा मेमोरियल व्याख्यान का आयोजन किया। कार्यक्रम का विषय था "क्या सोशल मीडिया -सोशल है?" ", जिसकी अध्यक्षता जामिया के कार्यवाहक कुलपति प्रोफेसर इकबाल हुसैन. ऑफंग ने की। स्मारक व्याख्यान प्रसिद्ध विद्वान, वरिष्ठ सामाजिक वैज्ञानिक और लेखक प्रोफेसर अमृत श्रीनिवासन द्वारा दिया गया था जो पूर्व में आईआईटी दिल्ली से जुड़े थे।

मेमोरियल व्याख्यान की शुरुआत विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर अज़रा आबिदी के स्वागत भाषण से हुई, जिन्होंने कुलपति को उनके दयालु समर्थन और उपस्थिति के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने स्वर्गीय प्रोफेसर बिक्रम नंदा के बारे में बात की, जो एक उत्कृष्ट बौद्धिक व्यक्ति थे और उन्होंने विभाग के अकादमिक क्षेत्र के विकास में उनके योगदान का भी उल्लेख किया, जो जांच की जीवंत और मजबूत भावना लेकर आए। प्रो. आबिदी ने कहा कि सोशल मीडिया की वृद्धि, विकास और पहुंच के साथ, सोशल मीडिया के उपयोग के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए विचारों, दृष्टिकोणों और चुनौतियों पर चर्चा और साझा की जानी चाहिए।

प्रोफेसर इकबाल हुसैन ने सभा का स्वागत किया और प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय की उपलब्धियों तथा इसमें योगदान देने में समाजशास्त्र विभाग की भूमिका के बारे में बात की। उन्होंने विषय की प्रासंगिकता पर जोर दिया और कहा कि इस तरह की चर्चा केवल आलोचनात्मक विचार और अकादमिक औचित्य में संलग्न होने की क्षमता को बढ़ाती है। यह किसी की बौद्धिक स्वतंत्रता को सक्षम बनाता है और समसामयिक चिंताओं के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण अनुसंधान के अवसर खोलता है।

प्रो. हुसैन ने दिवंगत प्रो. बिक्रम नंदा की पत्नी डॉ. अंजना मंगलागिरी की पहल की भी सराहना की, जो एक शिक्षाविद् और इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज नई दिल्ली में वरिष्ठ फेलो हैं, जिन्होंने जेएमआई की ओर से दिवंगत बिक्रम नंदा को श्रद्धांजलि के रूप में स्मारक व्याख्यान आयोजित किया था।

डॉ. सुम्बुल फराह (छात्र सलाहकार) ने वक्ता का परिचय दिया और उन्हें विषय पर व्यावहारिक व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया।

प्रतिष्ठित वक्ता प्रोफेसर अमृत श्रीनिवासन ने 'क्या सोशल मीडिया – शोशल है' विषय पर अपना स्मारक भाषण दिया? प्रोफेसर श्रीनिवासन ने समकालीन समय में सोशल मीडिया की भूमिका और युवाओं के लिए मुक्त मानवीय संपर्क, विरोध, रचनात्मक अभिव्यक्ति के मंच के बारे में बात की। उन्होंने उल्लेख किया कि - एक प्रतिनिधित्व, एक मूल संदर्भ के बिना एक संकेत जहां दुनिया भौतिक रूप से असीमित स्थानों में अनुकरण की जाती है - हमारे भीतर या तकनीकी रूप से वायरल ब्रह्मांड में सोशल मीडिया सोशल नहीं बल्कि हाइपरसोशल है।

मेमोरियल व्याख्यान विविध विचारों से युक्त था जिसने व्याख्यान में उपस्थित दर्शकों को बौद्धिक संवर्धन का वादा किया। जामिया के सामाजिक विज्ञान संकाय के डीन प्रोफेसर मोहम्मद मुस्लिम खान द्वारा दिए गए धन्यवाद ज्ञापन के साथ स्मारक व्याख्यान संपन्न हुआ।

व्याख्यान में जामिया के विभिन्न केंद्रों और विभागों के शिक्षाविदों, छात्रों, शोधार्थियों ने भाग लिया।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया